VAJIRAO & REDDY INSTITUTE
India's Top Potential Training Institute for IAS
+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

TODAY'S ANALYSIS
(आज का विश्लेषण)
(03 March 2025)

Sources:

The Hindu, The Indian Express, The Economics Times & PIB

Important News:

- यूक्रेन में शांति की गारंटी के लिए 'इच्छुक लोगों का गठबंधन'
- औपनिवेशिक युगीन 'नाट्य प्रदर्शन अधिनियम' क्या है?
- निजी लैंडर 'ब्लू घोस्ट' की चंद्रमा पर सफलतापूर्वक लैंडिंग
- MCQ

ADDRESS:
19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)

यूक्रेन में शांति की गारंटी के लिए 'इच्छुक लोगों का गठबंधन':

चर्चा में क्यों है?

- ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने और रूस से रक्षा करने के लिए यूक्रेन के साथ काम करने के लिए 'चार सूत्री' योजना की घोषणा की है। प्रधानमंत्री स्टार्मर ने कहा कि ब्रिटेन, फ्रांस और अन्य देश "इच्छुक लोगों के गठबंधन" में अपने प्रयासों को आगे बढ़ाएंगे और यूक्रेन के लिए अपने समर्थन में अमेरिका को शामिल करने का प्रयास करेंगे।
- प्रधानमंत्री स्टार्मर ने 18 नेताओं के शिखर सम्मेलन के बाद कहा कि "आज हम इतिहास के एक चौराहे पर हैं"। इस शिखर सम्मेलन में ज्यादातर नेता यूरोप से थे और इसमें यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की भी शामिल थे।
- उल्लेखनीय है कि यह विकास व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति जेलेंस्की और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच तीखी नोकझोंक के दो दिन बाद आया है।

यूक्रेन में शांति एवं युद्ध विराम की योजना:

- ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्टार्मर ने घोषणा की कि ब्रिटेन, फ्रांस और यूक्रेन ने युद्ध विराम योजना का मसौदा तैयार करने पर सहमति जताई है, जिसे संयुक्त राज्य अमेरिका के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।
- इस शिखर सम्मेलन से पहले, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने एस्टोनिया, लातविया और लिथुआनिया के नेताओं को प्रमुख सहयोगियों के साथ अपनी हालिया वार्ता के बारे में जानकारी दी, जिसमें यूरोप के एकजुट रहने की आवश्यकता पर बल दिया गया।
- उल्लेखनीय है कि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने यूक्रेन में ऐसी स्थायी शांति सुनिश्चित करने पर अपना ध्यान केंद्रित किया, जो यूक्रेन की भविष्य की संप्रभुता सुनिश्चित करता हो।

यूक्रेन की सहायता के लिए 'चार सूत्री' योजना:

- लंदन शिखर सम्मेलन के तुरंत बाद एक संवाददाता सम्मेलन में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने कहा कि चार बिंदुओं पर सहमति बनी है:
  - ➢ यूक्रेन में सैन्य सहायता जारी रखना, तथा रूस पर आर्थिक दबाव बढ़ाना;
  - ➢ किसी भी स्थायी शांति के लिए यूक्रेन की संप्रभुता और सुरक्षा सुनिश्चित होनी चाहिए तथा यूक्रेन को किसी भी शांति वार्ता में उपस्थित होना चाहिए;

- ➢ शांति समझौते की स्थिति में, किसी भी भावी आक्रमण को रोकने के लिए यूक्रेन की रक्षात्मक क्षमताओं को बढ़ाना; और
- ➢ यूक्रेन में किसी समझौते की रक्षा करने तथा उसके बाद शांति की गारंटी देने के लिए "इच्छुक लोगों का गठबंधन" विकसित करना।

यूक्रेन की सहायता के लिए ब्रिटेन दृढ़प्रतिज्ञ:

- ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने 5,000 से ज़्यादा वायु रक्षा मिसाइल खरीदने के लिए 2 अरब डॉलर का अतिरिक्त सहायता यूक्रेन को देने की भी घोषणा की। यह अक्टूबर 2024 में यूक्रेन को और ज्यादा सैन्य सहायता देने के लिए 2.93 अरब डॉलर के ऋण से अलग है, जिसे रूसी संपत्तियों को जब्त करने से होने वाले मुनाफे से दिया जाना है।
- ब्रिटेन "जमीन पर सैन्य बल और हवा में विमान" के माध्यम से भी यूक्रेन को समर्थन देने के अपनी प्रतिबद्धता पर डटा रहेगा।

विभिन्न यूरोपीय नेताओं का यूक्रेन युद्ध को लेकर चिंता:

- फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुअल मैक्रों ने चेतावनी दी है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की महत्वाकांक्षाएं यूक्रेन से परे भी खतरा पैदा करती हैं। अगर रूस को नहीं

रोका गया, तो वह निश्चित रूप से मोल्दोवा और शायद रोमानिया से भी आगे निकल जाएगा।

- इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने एकजुट पश्चिमी मोर्चे के आह्वान को दोहराया और कहा की "मुझे लगता है कि यह बहुत, बहुत महत्वपूर्ण है कि हम पश्चिम को विभाजित करने के जोखिम से बचें। पीएम मेलोनी, जिनके राष्ट्रपति ट्रंप के साथ घनिष्ठ संबंध है, यूक्रेन की एक मजबूत समर्थक हैं।
- पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने यूरोप से अपनी सैन्य शक्ति को पहचानने का आग्रह किया। लंदन रवाना होने से पहले उन्होंने कहा कि यूरोप में 2.6 मिलियन पेशेवर सैनिक हैं - जो अमेरिका, चीन या रूस से भी ज़्यादा हैं।

यूक्रेन में शांति सैनिकों की तैनाती की चर्चा पर रूस की प्रतिक्रिया:

- रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने यूक्रेन में यूरोपीय शांति सैनिकों की तैनाती से जुड़ी बातचीत को खारिज करते हुए इसे रूस के खिलाफ और अधिक “उकसाने” वाला बताया। विदेश मंत्री लावरोव ने कहा कि “वे शांति सैनिकों की इकाइयों के रूप में अपनी ‘संगीनों’ के साथ (ज़ेलेंस्की) को सहारा देना चाहते हैं”।
- वहीं रूसी राष्ट्रपति के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने दावा किया कि अमेरिका और रूस विदेश नीति पर एकमत हैं।

औपनिवेशिक युगीन 'नाट्य प्रदर्शन अधिनियम' क्या है?

चर्चा में क्यों है?

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1 मार्च को पूछा कि एक औपनिवेशिक कानून जो "सार्वजनिक स्थानों पर नृत्य प्रदर्शन करने वाले लोगों को गिरफ्तार करने की अनुमति देता था" आजादी के 75 साल बाद भी क्यों बना हुआ था। यह प्रश्न उन्होंने पुराने और अप्रचलित कानूनों को निरस्त करने के अपनी सरकार के प्रयासों के बारे में बात करते हुए पूछे।

प्रधानमंत्री द्वारा किस कानून का उल्लेख किया गया है?

- प्रधानमंत्री का इशारा नाट्य प्रदर्शन अधिनियम- 1876 की ओर था, जिसने (तत्कालीन ब्रिटिश) सरकार को "सार्वजनिक नाट्य प्रदर्शनों पर रोक लगाने की शक्ति दी थी जो निंदनीय, अपमानजनक, राजद्रोही या अश्लील हैं"।
- यह कानून उन कानूनों में से एक था जिसे ब्रिटिश सत्ता ने अक्टूबर 1875 से मई 1876 तक प्रिंस ऑफ वेल्स, अल्बर्ट एडवर्ड की भारत यात्रा के बाद उभरते भारतीय राष्ट्रवादी भावना को दबाने के लिए बनाया था।

- उल्लेखनीय है कि इस अवधि के दौरान बनाए गए अन्य कानूनों में कठोर वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट, 1878 और 1870 का राजद्रोह कानून भी शामिल थे।

नाट्य प्रदर्शन अधिनियम, 1876 के प्रावधान क्या थे?

- नाट्य प्रदर्शन अधिनियम, 1876 के तहत "किसी भी नाटक, मूकाभिनय या अन्य नाटक को सार्वजनिक स्थान पर प्रदर्शित या प्रदर्शित किए जाने पर" प्रतिबंधित किया जा सकता था, यदि सरकार की "राय" हो कि यह नाटक "निंदनीय या अपमानजनक प्रकृति का" है, "कानून द्वारा स्थापित सरकार के प्रति असंतोष की भावना को भड़काने की संभावना है", या "प्रदर्शन में उपस्थित व्यक्तियों को भ्रष्ट और भ्रष्ट करने की संभावना है"।
- कोई भी मजिस्ट्रेट "इस अधिनियम के तहत निषिद्ध किसी भी प्रदर्शन के लिए उपयोग किए जाने वाले या उपयोग किए जाने वाले किसी भी घर, कमरे या स्थान" की तलाशी और जब्ती का वारंट दे सकता था। इस कानून में तीन महीने तक की जेल की सजा और जुर्माना या दोनों का प्रावधान था।

भारत के स्वतंत्र होने के बाद इस कानून की स्थिति क्या थी?

- इस कानून को 2018 में भारत सरकार द्वारा अप्रचलित कानूनों को खत्म करने की कवायद के तहत औपचारिक रूप से निरस्त कर दिया गया था।

- हालाँकि, नाट्य प्रदर्शन अधिनियम कम से कम 1956 से एक "वैध कानून" नहीं है। क्योंकि 10 मई, 1956 को, राज्य बनाम बाबूलाल और अन्य शीर्षक वाले एक फैसले में, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि यह कानून भारत के संविधान के साथ असंगत है।
- यह कानून मध्य प्रदेश, कर्नाटक, दिल्ली और तमिलनाडु सहित राज्य स्तर पर भी लाया गया था। बाद में इस कानून को दिल्ली सहित कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में निरस्त कर दिया गया। मद्रास उच्च न्यायालय ने भी 2013 में तमिलनाडु नाट्य प्रदर्शन अधिनियम, 1954 को रद्द कर दिया था।
- उल्लेखनीय है कि यद्यपि नाट्य प्रदर्शन अधिनियम, 1876 को न्यायालय द्वारा असंवैधानिक घोषित कर दिया गया था और अब यह प्रचलन में नहीं था, लेकिन इसे संसद द्वारा निरसन और संशोधन (द्वितीय) अधिनियम, 2017 के माध्यम से औपचारिक रूप से हटाया गया।

औपनिवेशिक काल के दौरान बनाए गए कानून अब भी क्यों जारी हैं?

- संविधान के अनुच्छेद 372 में प्रावधान है कि स्वतंत्रता के समय लागू कानून संविधान के लागू होने के बाद भी लागू रहेंगे। हालाँकि, औपनिवेशिक कानूनों को "संवैधानिकता का अनुमान" नहीं है - जिसका अर्थ है कि जब किसी औपनिवेशिक

कानून को चुनौती दी जाती है, तो सरकार को उस कानून को वैध बनाने के लिए उसका बचाव करना होता है।

- जबकि अन्य कानून - स्वतंत्र भारत की संसद द्वारा बनाए गए कानून - "संवैधानिक माने जाते हैं" जब तक कि अन्यथा घोषित न किया जाए, जिसका अर्थ है कि जब अदालत में चुनौती दी जाती है, तो यह साबित करने की जिम्मेदारी याचिकाकर्ता की होती है कि कानून संविधान का उल्लंघन करता है।
- उल्लेखनीय है कि लगातार विभिन्न सरकारों ने कई औपनिवेशिक कानूनों का बचाव किया है।

निजी लैंडर 'ब्लू घोस्ट' की चंद्रमा पर सफलतापूर्वक लैंडिंग:

चर्चा में क्यों है?

- नासा के लिए ड्रिल और वैक्यूम सहित वैज्ञानिक उपकरणों को ले जाने वाला एक निजी चंद्र लैंडर सफलतापूर्वक चंद्रमा पर उतरा। फायरफ्लाई एयरोस्पेस का 'ब्लू घोस्ट' लैंडर ऑटोपायलट पर चंद्रमा की कक्षा से चंद्रमा की सतह पर सफलतापूर्वक उतरा। टेक्सास में फायरफ्लाई के मिशन कंट्रोल से सफल लैंडिंग की पुष्टि हुई, जो 360,000 किलोमीटर दूर से इस घटना पर नज़र रख रहा था।

चन्द्रमा पर सही तरह से उतरने वाला पहला निजी लैंडर:

- 'ब्लू घोस्ट' की सीधी और सफल लैंडिंग फायरफ्लाई एयरोस्पेस को पहली निजी कंपनी बनाती है जिसने बिना क्रैश हुए या पलटे हुए चंद्रमा पर अंतरिक्ष यान उतारा।
- यहां तक कि राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसियों को भी चंद्र लैंडिंग में संघर्ष करना पड़ा है, जिसमें केवल पांच देश ही सफल हो पाए हैं: रूस, अमेरिका, चीन, भारत और जापान।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

- लैंडिंग के ठीक 30 मिनट बाद, 'ब्लू घोस्ट' ने चंद्र सतह से तस्वीरें प्रसारित करना शुरू कर दिया।

'ब्लू घोस्ट' लैंडर क्या है?

- ब्लू घोस्ट - जिसका नाम अमेरिका में जुगनू की एक दुर्लभ प्रजाति के नाम पर रखा गया है - का आकार और बनावट इसके लिए काफी अच्छी थी। फायरफ्लाई एयरोस्पेस के अनुसार, चार पैरों वाला यह छोटा लैंडर 6 फुट 6 इंच (2 मीटर) लंबा और 11 फीट (3.5 मीटर) चौड़ा है, जो इसे अतिरिक्त स्थिरता प्रदान करता है।
- उल्लेखनीय है कि फ्लोरिडा से जनवरी के मध्य में लॉन्च किया गया यह लैंडर नासा के लिए चंद्रमा पर 10 प्रयोग लेकर गया। उम्मीद है कि यह मिशन दो सप्ताह तक चलेगा, उसके बाद चन्द्र रात्रि के कारण परिचालन रुक जाएगा।
- यह नासा के वाणिज्यिक चंद्र पेलोड सेवा (CLPS) के तहत तीसरा मिशन है, जिसका उद्देश्य इस दशक के अंत में अंतरिक्ष यात्रियों के आने से पहले चन्द्रमा के चारों ओर खोजबीन करने के साथ प्रतिस्पर्धी निजी व्यवसायों को चंद्रमा की अर्थव्यवस्था से परिचय करना है।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

इस मिशन का वैज्ञानिक उद्देश्य:

- 'ब्लू घोस्ट' लैंडर में चन्द्रमा की मिट्टी के नमूने एकत्र करने के लिए एक वैक्यूम और सतह से 10 फीट (3 मीटर) नीचे तक के तापमान को मापने में सक्षम एक ड्रिल है। इसमें चन्द्रमा की धूल को खत्म करने के लिए डिज़ाइन किया गया एक उपकरण भी शामिल है, जो नासा के अपोलो अंतरिक्ष यात्रियों के सामने एक बड़ी चुनौती थी, जो अपने स्पेससूट और उपकरणों से चिपके हुए अपघर्षक कणों से जूझ रहे थे।
- चन्द्रमा की ओर जाते समय, ब्लू घोस्ट ने पृथ्वी की विस्तृत तस्वीरें खींचीं और बाद में चन्द्रमा की क्रेटर वाली सतह की उच्च-रिज़ॉल्यूशन वाली तस्वीरें भेजीं।
- इसके अतिरिक्त, एक ऑनबोर्ड रिसीवर ने सफलतापूर्वक अमेरिकी जीपीएस और यूरोपीय गैलीलियो तारामंडल से सिग्नल प्राप्त किए, एक ऐसी प्रगति जो भविष्य के चंद्र खोजकर्ताओं के लिए नेविगेशन को बेहतर बना सकती है।

MCQs

1. चर्चा में रहे 'नाट्य प्रदर्शन अधिनियम -1876' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इस कानून को 2018 में भारत सरकार द्वारा अप्रचलित कानूनों को खत्म करने की कवायद के तहत औपचारिक रूप से निरस्त कर दिया गया था।
2. यह कानून उन कानूनों में से एक था जिसे औपनिवेशिक सत्ता ने अक्टूबर 1875 से मई 1876 तक प्रिंस ऑफ वेल्स, की भारत यात्रा के बाद उभरते भारतीय राष्ट्रवादी भावना को दबाने के लिए बनाया था।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans:(c)

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

2. संविधान के निम्नलिखित किस प्रावधान के तहत स्वतंत्रता पूर्व के कानून संविधान के लागू होने के बाद भी लागू रहेंगे?

(a) अनुच्छेद 242

(b) अनुच्छेद 272

(c) अनुच्छेद 332

(d) अनुच्छेद 372

Ans:(d)

3. हाल ही में चर्चा में रहे यूक्रेन में शांति के लिए 'इच्छुक लोगों के गठबंधन' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह यूरोप के देशों द्वारा यूक्रेन में किसी समझौते की रक्षा करने तथा उसके बाद शांति की गारंटी देने के लिए विकसित किया जाना है।
2. यह गठबंधन, बिना अमेरिकी सहयोग के यूक्रेन में शांति स्थापना के अपने प्रयासों को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans:(a)

4. हाल ही में चन्द्रमा पर सही तरह से उतरने वाला पहला निजी चंद्र लैंडर 'ब्लू घोस्ट' बना है। अब तक चन्द्रमा के सबसे दक्षिणी हिस्से में किस देश का चंद्र लैंडर सफलतापूर्वक उतरा है?

(a) रूस का

(b) भारत का

(c) चीन का

(d) अमेरिका का

Ans:(b)

5. चर्चा में रहे चंद्र लैंडर 'ब्लू घोस्ट' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह नासा के वाणिज्यिक चंद्र पेलोड सेवा के तहत पहला मिशन है, जिसका उद्देश्य प्रतिस्पर्धी निजी व्यवसायों को चंद्रमा की अर्थव्यवस्था से परिचय करना है।
2. इस लैंडर में चन्द्रमा की मिट्टी के नमूने एकत्र करने के लिए एक वैक्यूम और सतह से 10 फीट नीचे तक के तापमान को मापने में सक्षम एक ड्रिल है।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans:(b)